oiggest active Buddist Stupa in the country is situated;

(c) if not, whether the Ministry had suggested to the delegation to visit the site;

(d) if not, what are the reasons therefor; and

(e) whether the Ministry would suggest Nagpur in such in itinerary in future?;

THE MINISTER OF STATE IN THE *MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA): (a) The Thai Parliamentary Committee on Religion, Art and Culture visited India from August 20 to 29, 1994.

(b) the delegation did not visit Nagpur in Maharashtra.

(c) No, Sir.

(d) The Ministry of External Affairs did not give any suggestion to the delegation regarding the places'they should visit as they had drawn up their own programme and did not ask for the Ministry's suggestion.

(e) The Ministry would consider suggesting Nagpur in such future visits in case it is felt necessary.

**Diplomatic Relations with Taiwan**

6187. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Republic of China (Taiwan) is anxious to have diplomatic and economic relations with Indian but the Government of India is giving a hike warm response to it; and

(b) if so, the reasons for Government's cold response in this regard?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b) Government has consistently followed one-China policy recognising the Government of the People's Republic of China as the sole legitimate Government of China, It is within the frame-work of this policy that non-official links are being developed between India and Taiwan for promoting trade investment and tourism.

**विदेशों में भारतीय दूतावासों में हिन्दी टाइपराइटर की सुविधा**

6188. श्री शंकर बघेला सिंह: क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विदेशों में हमारे दूतावासों में द्वि-भाषी टाइपराइटरों अथवा देवनागरी टाइपराइटरों की सुविधा उपलब्ध है; और

(ख) यदि हां, तो विदेशों में स्थित उन भारतीय दूतावासों का ब्यौरा क्या है, जिनके देवनागरी टाइपराइटर हैं और जिनके पास ऐसे टाइपराइटर नहीं है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर.एल. भाटिया): (क) विदेश स्थित अनेक भारतीय मिशनों को द्विभाषी टाइपराइटरों/देवनागरी टाइपराइटरों की सुविधा प्रदान की गई है।

(ख) सूचना एकत्रित की जा रही है और यथाशीघ्र उपलब्ध कर दी जाएगी।

**बिहार के पश्चिम चम्पारण क्षेत्र में नेपाल द्वारा कब्जा की गई भूमि**

6189. श्री आस मोहम्मद: क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बिहार के पश्चिम चम्पारण क्षेत्र में नेपाली कब्जे वाली छः हजार एकड़ भूमि का सर्वेक्षण करवाया है;

(ख) यदि हां, तो इस सर्वेक्षण का क्या परिणाम रहा है; और

(ग) इस परिणाम के आधार पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है?

विदेश मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) से (ग) बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिले जिसमें सुस्ता और नरसाही गांव भी शामिल हैं, में नेपाल के साथ सीमा के अंकन की समस्या काफी अर्से से चली आ रही है। इस क्षेत्र का सर्वेक्षण कई बार किया गया है अर्थात 1817, 1886-88, 1895-99, 1902 में एवं आखिरी बार 1930-31 में। इस मामले पर विभिन्न स्तरों पर नेपाल की सरकार के साथ कई बार बातचीत की जाती रही है। इस महीने के अंत में संयुक्त तकनीकी स्तर की सीमा समिति के "कार्यदल" की आगामी बैठक के दौरान नेपाल के साथ सीमांकन कार्य के अन्य सभी पहलुओं के साथ-साथ इस मामले को भी उठाने का विचार है।